श्रीः

पञ्चपल्लव ।

अर्थात् पांच आख्यायिकाओं का संग्रह ।

स्त्री दर्पण, शुभचिन्तक, सरस्वती तथा
मर्यादा से पुनर्मुद्रित ।

छबीलेलालगोस्वामि-लिखित ।

श्रीसुदर्शनप्रेस, वृन्दावन में
छपकर, प्रकाशित ।

सन १९१६ ई०

प्रथमबार १००० | | मूल्य पांच आने